मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

MSK–004

स्नातकोत्तर कला उपाधि (संस्कृत)

(एम.एस.के.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.एस.के.–004 : आधुनिक संस्कृत साहित्य और साहित्यशास्त्र

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र कुल दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्डों में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

खण्ड—क

निर्देश : अधोलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। 3×20=60

1. पठित अंश के आधार पर अनूदित साहित्य का विस्तार से वर्णन कीजिए।

2. आधुनिक संस्कृत साहित्य की परम्परा में विविध विषयगत वैविध्यपरक रचनाओं पर प्रकाश डालिए।

3. बीसवीं सदी के किन्हीं **चार** प्रमुख साहित्यकारों का परिचय देते हुए उनके रचना संसार पर प्रकाश डालिए।

4. आधुनिक संस्कृत साहित्य में पद्यरचना विधा पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

5. पण्डिता क्षमाराव का जीवन परिचय लिखकर उनके रचना संसार पर प्रकाश डालिए।

6. अधोलिखित में से किसी **एक** श्लोक की व्याख्या कीजिए :

(क) अथ प्रजाभिः समवेत वाग्भिः

निवेदितो भूमिपतिः कृतात्मा।

कुलप्रसूतो ननुमैथिलानां

शुशोच सीरध्वजपुण्यनामा॥

(ख) सरांशि शुष्कानि कुलायभूमौ

परासवश्चापि विहंगवत्सा:।

द्रुमोल्लसद्वृन्त निकायलग्ना

न पल्लवा: प्राणभृतिं प्रयात:॥

खण्ड—ख

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

$4 \times 10 = 40$

1. साहित्यशास्त्र में काव्यहेतु से आप क्या समझते हैं? उल्लेख कीजिए।

2. आचार्य रेवाप्रसाद द्विवेदी का परिचय दीजिए एवं उनके रचना संसार का उल्लेख कीजिए।

3. 'मीरा लहरी' के द्वितीय खण्ड का सारांश लिखिए।

4. उपाख्यानमालिका से आप क्या समझते हैं? पठित अंश के आधार पर वर्णन कीजिए।

5. पठित अंश के आधार पर तृतीय उपाख्यान का सारांश लिखिए।

6. काव्य के आत्मतत्व के विषय में आप क्या जानते हैं? समीक्षात्मक वर्णन कीजिए।

7. 'मदनदहनम्' नामक उपाख्यान की विषय-वस्तु का वर्णन कीजिए।

8. आधुनिक संस्कृत साहित्य की परम्परा पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

× × × × ×